**Millennium post 03 January 2021**

ministry's SOP stated. unit, it said. port would be advised home

# Light rains, snowfall in N India

**OUR CORRESPONDENT**

Commuters with umbrellas walk through rain, in Shimla, on Saturday

**NEW DELHI:** Parts of North India on Saturday witnessed light rain and snowfall as a cold wave continued to sweep the region, with Keylong in Himachal Pradesh shivering at minus 7.3 degrees Celsius.

The Meteorological Department issued a yellow weather warning for heavy snowfall in Himachal Pradesh on Tuesday.

The Shimla MeT Centre forecast rainfall in plains and low hills, and rain and snowfall in mid and high hills of the state from January 3 to 5 and on January 8. It issued a 'yellow' weather warning of heavy snowfall in mid and high hills on January 5 and thunderstorm and lightning in plains and low hills from January 3 to 5.

The MeT Centre issues colour-coded warnings to alert the public ahead of severe or hazardous weather which has the potential to cause "damage, widespread disruption and/or danger to life". Yellow is the least dangerous among the weather warnings.

Meanwhile, light snowfall was witnessed at higher reaches in some places, including Kaza and Dhoondhi, and light rain in some other parts, including Shimla and Dalhousie, Shimla MeT Centre Director Manmohan Singh said.

The maximum temperature dropped by 6 to 7 degrees Celsius in the last 24 hours. The highest temperature in the state was recorded in Nahan at 15.5 degrees Celsius, he added.

Lahaul and Spiti's administrative centre Keylong continued to be the coldest place in the state at minus 7.3 degrees Celsius, Singh said.

Kalpa in Kinnaur district recorded a low of minus 0.8 degrees Celsius, he added.

The minimum temperature in Manali, Kufri and Dalhousie was recorded at 1.4, 2.6 and 4.1 degrees Celsius respectively. Shimla registered a low of 5.1 degrees Celsius, Singh added.

Cold wave conditions prevailed at isolated places over Uttar Pradesh. Very dense fog occurred at isolated places over western UP and shallow to moderate fog occurred at isolated places over the eastern part of the state.

The weather remained dry over the state, the MeT Department said. Bareilly was the coldest place in the state with a minimum temperature of 3.7 degrees Celsius.

State capital Lucknow recorded a minimum temperature of 6.8 degrees Celsius, while Allahabad recorded a low of 9 degrees Celsius.

Sultanpur recorded a low of 5.2 degrees Celsius, Banda 5 degrees Celsius, Barabanki 4 degrees Celsius and Muzaffarnagar 3.8 degrees Celsius.

The ongoing cold weather conditions continued to sweep Punjab and Haryana, with Hisar in Haryana recording a low of 2 degrees Celsius.

Many parts of both the states also witnessed overnight rains. The areas that witnessed rainfall included Chandigarh (0.6 mm), Ambala (2 mm), Karnal (2.8 mm), Sirsa (0.6 mm), Ludhiana (0.4 mm), Patiala (2.2 mm) and Halwara (5 mm).

**New Indian Express 03 January 2021**

# Administrative nod for works in Cauvery basin

EXPRESS NEWS SERVICE @ Chennai

THE State government has given administrative sanction for two packages for extension, renovation and modernisation works in the Cauvery sub-basin at a cost of ₹224.80 crore. These packages are part of 33 packages planned to be carried out in the Cauvery sub-basin.

The works would be carried out in Budalur and Thiruvaiyaru taluks in Thanjavur district.

The Government Order issued in this regard on December 26 noted that north portion of the river was heavily silted, while shoal formation and thick vegetation were affecting water flow.

The structures intended to divert water for irrigation and to ensure water share as per orders of the Cauvery Water Disputes Tribunal, require immediate repairs. Hence, all works are scheduled to be completed on a war footing ahead of the opening of Mettur dam on June 12.

## जल परियोजना का शुभारंभ

# जल संचयन के लिए परंपरागत तरीकों को अपनाना जरुरी : राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह गांव खैंटावास में जीर्णोद्धार किए गए जोहड़ का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। इस मौके पर गांव में आयोजित कार्यक्रम में बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। जोहड़ का जीर्णोद्धार गुरुजल परियोजना के तहत किया गया है। अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि घटता भूजल स्तर हम सभी के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में जरूरी है कि हम जल संचयन के परंपरागत तरीकों को अपनाते हुए भूमिगत जल स्तर में सुधार लाने के लिए एकजुटता से प्रयास करें। उन्होंने कहा कि लगभग 20 से 25 साल पहले गांव में जल संचयन के परंपरागत तरीके जैसे जोहड़ आदि होते थे जिससे वहां के स्थानीय लोगों का भी जीवन सुखद होता था। वे जोहड़ के पास कुआं बनाते थे और पानी का उपयोग करते थे। लेकिन आज यह सब चीजें लुप्त होती जा रही हैं। परिणाम स्वरूप भूमिगत जल स्तर में तेजी से गिरावट हो रही है। वर्तमान में यह समस्या शहरी क्षेत्र के आसपास बसे गांवों में अधिक है क्योंकि वहां घरों से निकलने वाला गंदा पानी जोहड़ों में डाला जाने लगा है जिससे जोहड़ों का पानी गंदा होने लगा है।

### सिंचाई के अलावा होंगे अन्य कार्य

गांव खेंटावास में शुरू किया गया यह जोहड़ जल संचयन की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जल संरक्षण को लेकर अत्यंत गंभीर हैं और इसी के चलते उन्होंने जल शक्ति अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि इस जोहड़ के जीर्णोद्धार में गांव के बुजुर्गों से लेकर नौजवानों, माताओं, बहनों व बच्चों ने अपना सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि इस जोहड़ से ग्रामीणों को काफी फायदा मिलेगा। इसमें न केवल साफ पानी एकत्रित होगा बल्कि इसका इस्तेमाल लोग खेतों में सिंचाई आदि के लिए भी कर सकेंगे। आसपास के लोग भी लाभ लेंगे।

# हिमाचल के भूगर्भ जल में मिला यूरेनियम

**शिमला@ पत्रिका.** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) मंडी के विशेषज्ञों को भूमिगत जल में भारी मात्रा में यूरेनियम के प्रमाण मिले हैं। इससे हिमाचल प्रदेश में यूरेनियम के भंडार मिलने की प्रबल संभावना है। भूगर्भ जल की जांच के दौरान विशेषज्ञों को सामान्य से चार गुना अधिक यूरेनियम की मात्रा मिली। पानी की जांच के लिए ऊना, बिलासपुर, सोलन, सिरमौर, मंडी, कुल्लू, हमीरपुर, शिमला और किन्नौर को चुना गया था। पानी के ये नमूने परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस) को भेजे जाएंगे। बीआरएनएस ने आइआइटी मंडी को इस कार्य के लिए 87 लाख के तीन प्रोजेक्ट सौंपे हैं।

# घटता भूजल स्तर चिंता का विषय

■ गुरुग्राम (एसएनबी)।

केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि घटता भूजल स्तर सभी के लिए चिंता का विषय है। ऐसे में जरूरी है कि हम जल संचयन के परंपरागत तरीकों को अपनाते हुए भूमिगत जल स्तर में सुधार लाने के लिए एकजुटता से प्रयास करें। यह बात उन्होंने शनिवार को गांव खैंटावास में जीर्णोद्धार किए गए जोहड़ का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन करते हुए कही।

**केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत ने खैंटावास गांव में गुरुजल परियोजना के तहत वर्चुअल माध्यम से किया उद्घाटन**

उन्होंने कहा कि लगभग 20-25 साल पहले गांव में जल संचयन के परंपरागत तरीके जैसे जोहड़ आदि होते थे, जिससे वहां के लोगों का भी जीवन सुखद होता था। वे जोहड़ के पास कुआं बनाते थे और पानी का उपयोग करते थे। लेकिन आज यह सब चीजें लुप्त होती जा रही है। परिणाम स्वरूप भूमिगत जल स्तर में तेजी से गिरावट हो रही है। वर्तमान में यह समस्या शहरी क्षेत्र के आसपास बसे गांवों में अधिक है। क्योंकि वहां घरों से निकलने वाला गंदा पानी जोहड़ों में डाला जाने लगा है। इससे जोहड़ों का पानी गंदा होने लगा और वे अपना पारंपरिक स्वरूप खोने लगे। गांव खैंटावास में शुरू किया गया यह जोहड़ जल संचयन की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जल संरक्षण को लेकर गंभीर है और इसी के चलते उन्होंने जल शक्ति अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि इस जोहड़ के जीर्णोद्धार में गांव के बुजुर्गों से लेकर नौजवानों, माताओं, बहनों व बच्चों ने अपना सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि इस जोहड़ से ग्रामीणों को काफी फायदा मिलेगा। इसमें न केवल साफ पानी एकत्रित होगा, बल्कि इसका इस्तेमाल लोग खेतों में सिंचाई आदि के लिए भी कर सकेंगे। इससे आसपास के क्षेत्र का प्रयोग लोग सैर करने, घूमने फिरने तथा खेलकूद आदि के लिए भी कर सकेंगे। गांव खैंटावास में आयोजित उद्घाटन समारोह में बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद ने कहा कि यह तालाब जल संचयन के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इस मौके पर गुरुग्राम के उपायुक्त अमित खत्री ने कहा कि यह जोहड़ सवा एकड़ भूमि में बनाया गया है, जहां पर रोजाना लगभग डेढ़ लाख लीटर पानी साफ किया जाएगा। जोहड़ में पानी को साफ करने के लिए मशीनें लगाई गई है।

Dainik Jagran 03 January 2021

# जल व भूमि की उपजाऊ शक्ति के अनुसार खेती करेगा किसान

बिजेंद्र बंसल • नई दिल्ली

हरियाणा में किसान अपने खेत की उपजाऊ शक्ति से लेकर क्षेत्र में उपलब्ध जल संसाधनों के अनुसार खेती करेगा। इसके लिए नए साल में राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों के अनुसार खेती के प्रारूप तैयार करने के लिए किसान कल्याण प्राधिकरण का प्रारूप तैयार किया है। इस प्राधिकरण का महिला सेल भी काम करेगा जिससे महिलाओं की आधी आबादी भी बागवानी खेती से सीधे रूप में जुड़ सके। तीन कृषि सुधार कानूनों के विरोध के बीच हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कृषि और किसान कल्याण पर विशेष फोकस किया है। असल में यह सब किसान की आय बढ़ाने के लिए उसे परंपरागत खेती से हटकर अत्याधुनिक खेती की ओर आकर्षित करने की पहल है। उदाहरण के लिए राज्य सरकार दक्षिणी हरियाणा में जहां अंजीर की खेती के लिए किसानों को प्रशिक्षण दिलाएगी वहीं बागवानी विभाग को भी इस बाबत पूरा विवरण तैयार करने का निर्देश दिया है। राज्य के राजस्थान से लगते रेतीले और शुष्क इलाकों में बेर और अमरूद की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। हिसार-सिरसा में रसीले फलों की खेती पर जोर रहेगा। किसान प्राधिकरण को मेरी फसल-मेरा ब्योरा योजना से जोड़ा जाएगा।

मनोहर लाल • जागरण आर्काइव

परंपरागत खेती करने वाले किसान भी होंगे लाभान्वितः फसलों के विविधिकरण प्रारूप को अपनाकर परंपरागत खेती करने वाले किसान भी सरकार की नए साल में नई योजनाओं से लाभान्वित होंगे। मसलन किसी किसान ने बाजरा की खेती की तो उसका बाजरा न सिर्फ न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार खरीदेगी बल्कि सरकार इस तरह के प्रोजेक्ट भी प्रोत्साहित कर रही है कि जिसमें बाजरे के बिस्कुट बने। बाजरे से बना देसी घी का चूरमा विदेशों में निर्यात हो। इसी क्रम में हरियाणा सरकार ने इस बार केंद्रीय पूल से अलग बाजरे की खुले रूप में खरीद की। बेशक इसका कुछ व्यापारियों ने अनावश्यक रूप से फायदा लेते हुए राजस्थान और पंजाब का बाजरा भी सरकार को बेच दिया। सरकार ने पिछले साल बाजरे की खरीद 3.10 मीट्रिक टन की थी। इस बार यह खरीद 7.91 मीट्रिक टन पर जा पहुंची।

## बजट में किए प्रावधान का मिलेगा फायदा

वित मंत्रालय संभाल रहे मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 2020-21 के लिए बनाए बजट में भी कृषि एवं किसान कल्याण योजनाओं के लिए 23.92 फीसद का इजाफा किया था। बजट में पहली बार महिला किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए सभी सब्जी मंडियों में महिला किसानों के लिए 10 फीसद आरक्षण तय किया। मुख्यमंत्री ने बजट में ऐसे प्रावधान भी किए गए थे कि छोटे और मझोले किसानों के बीच मशीनीकरण को बढ़ावा मिले। इसमें सरकार बड़े किसानों को उपकरणों जैसे ट्रैव?टर, रोटावेटर, कंबाइन, हारवेस्टर आदि को किराए पर देने के लिए प्रोत्साहित करती है।

## मिट्टी के अनुसार फसल लगाए किसान

मिट्टी के अनुसार किसान फसल लगाए, इसे प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने कदम उठाए हैं। मिट्टी की उर्वरा क्षमता जांचने के लिए बने कार्ड में दी गई सिफारिश के आधार पर जिन किसानों ने बिजाई की है, उन्हें सरकार 50 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देगी। किसानों को सस्ती दर पर बिजली देने के प्रावधान का फायदा मिलेगा। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग विशेष कृषि आधारित गतिविधियों के तहत 4.75 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली देगा। अब तक किसानों को 7.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलती रही है। इसके लिए हैफेड के तर्ज पर 2000 आधुनिक बिक्री केंद्र स्थापित होंगे।